खबर संक्षेप

दो साल में ही छात्रावास का भवन हुआ खस्ताहाल, टूट कर गिर रहा प्लास्टर

सिलौंडी। सिलौंडी बालक छात्रावास का भवन जर्जर हो चुका है। 2021 में नवीन भवन बनाकर तैयार हुआ। मगर नवीन भवन दो साल में ही खस्ताहाल हो चुका है। छत का प्लास्टर टूट कर नीचे गिर रहा है। लोगों का कहना है कि नवीन भवन से अच्छी स्थिति तो पुराने भवन जो की 1995 में बना था। ग्रामीणों ने नवीन भवन निर्माण में अनियमितताएं बरतने के आरोप भी लगाए हैं तथा जांच की मांग की है। तीन दिनों की बारिश में नया और पुराना भवन में पानी भर चुका है । यहां पर रह रहे बच्चे कभी भी दुर्घटना का शिकार हो सकते है। अधीक्षक महेंद्र करौती ने बताया नवीन भवन का अभी तक उपयोग भी नही किया है भवन निर्माण में बहुत ज्यादा अनियमितताएं की गई है। यहां पर बच्चे दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं। पुरानी भवन 30 साल पूरा है मगर उस भवन के हालात नई से अच्छी हैं।

मवेशियों को दुर्घटना से बचाने रेडियम लगाया

सिलौंडी। सिलौंडी में ग्राम पंचायत सह सचिव अमरीश राय के नेतृत्व में युवा की टीम ने बस स्टैंड सिलौंडी में आवारा पशु को रेडियम लगाया है जिससे वह दुर्घटना से बच सके। सतीश काछी , प्रमोद साहू ,अजय काछी , धीरज जैन, अरुण राय ने आवारा पशुओं को सुरक्षित करने के लिए रेडियम पट्टी लगाई जा रही है जिससे वह रात के अंधेरे में दूर से ही दिख सके।

नहाने गए छात्र की तालाब में डूबने से मौत

उमरियापान। दोस्तों के साथ नहाने गए एक छात्र की तालाब में डूबने से मौत हो गई है।छात्र कक्षा दसवीं पढ़ता था। थाना प्रभारी दिनेश तिवारी ने बताया कि उमरियापान के कटरा बाजार निवासी श्रीओम पिता आशीष चौरसिया (15) सोमवार को दोस्तों के साथ रानीताल तालाब नहाने गया था। नहाते नहाते छात्र तालाब में डूब गया और उसकी मौत हो गई। पुलिस मर्ग कायम करते हुए मामले की जांच में जुटी है।

उमरियापान में मोहर्रम पर निकला ताजिया जुलूस

उमरियापान। इंसाफ के लिए जान कुर्बान करने वाले हजरत इमाम हसन व इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत में उमरियापान में मोहर्रम पर्व पर ताजिया जुलूस निकाला गया। जुलूस में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया।रविवार को बारिश की बौछारों के बीच गमगीन माहौल में निकाले गए यौम-ए-आसूरा के इस जुलूस युवाओं ने तलवार,लाठियों से हैरतअंगेज करतब प्रदर्शन किया। जुलूस के दौरान युवाओं ने या हुसैन के नारे लगाएं।वहीं जुलूस के दौरान सवारियां लिए बाबा भी चलते रहे।नवीं मोहर्रम को रखे और दशवीं मोहर्रम को देरशाम इमामबाड़े से उठा ताजिया नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए कर्बला पहुंचा, जहां ताजिया को दफनाया गया। उमरियापान के अलावा परसेल, कछारगांव छोटा और ढीमरखेड़ा थाना क्षेत्र के कटरिया, उमरपानी, बरहटा सहित आसपास के गांवों में भी ताजिया जुलूस निकाला गया। इस मौके पर जगह-जगह लंगर का आयोजन किया गया। दूध के स्टॉल लगाए गए। इस दौरान थाना प्रभारी दिनेश तिवारी पुलिस बल सहित सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहे। घुघरी स्थित मस्जिद से ताजिया उठाकर मुस्लिम भाइयों ने गांव भ्रमण कराया। जिसे बेलकुण्ड नदी पार बने कर्बला में ठंडा किया। इस दौरान महिला पुरुषों सहित युवाओं की उपस्थिति रहीं।

माइक्रो उदवहन सिंचाई परियोजना के तहत खेतों मे पाइप लाईन विस्तारीकरण का कार्य हुआ शुरू

नर्मदा जल से 183 गाँवो की 46 हजार हैक्टेयर कृषि भूमि होंगी सिंचित, किसानों को मिलेगी बड़ी राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ स्लीमनाबाद

बहोरीबंद क्षेत्र में पानी की समस्या सालों से बनी हुई। खेती किसानी के लिए भी परेशान होना पड़ता है। किसानों सहित क्षेत्र के नागरिकों को शीघ्र ही इस समस्या से छुटकारा मिलने वाला है। माइक्रो लिफ्ट एरिगेशन परियोजना के तहत खेतों में पाइप लाईन विस्तारीकरण का काम शुरू क़र दिया गया है। पानी की समस्या का समाधान हो जाने से किसानों को राहत मिलेगी साथ ही आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। बहोरीबंद विधायक प्रणय पांडेय ने किसानों की समस्याओं को दूर करने के लिए दशकों पुरानी नर्मदा जल की मांग को पूरा कर भागीरथी प्रयास किये।

हजारों हेक्टेयर भूमि होगी सिंचित

एनवीडीए व बहोरीबंद उदवहन सिंचाई परियोजना का कार्य करने वाली निर्माण एजेंसी के अधिकारियो ने किसानों को बतलाया कि बहोरीबंद सूक्ष्म उदवहन सिंचाई परियोजना से 183 गाँव की 46 हजार 716 हैक्टेयर कृषि भूमि सिंचित होगी। परियोजना मे 1432 करोड़ रूपये की राशि खर्च होगी। परियोजना से तहसील बहोरीबंद के 95 गाँव, स्लीमनाबाद के 48,रीठी के 27,मुड़ वारा के 2 ओर मझोली तहसील के 16 गाँव लाभान्वित होंगे। खेतों मे पाइप लाईन विस्तारीकरण का कार्य शुरू कर दिया गया हैं। बहोरीबंद सूक्ष्म उदवहन सिंचाई परियोजना का मुख्य सेंटर छपरा हैं जहाँ प्लांट स्थापित किया गया हैं। खेतों मे किसान कि भूमि अधिग्रहण नहीं की जाएगी। खेतों मे भूमि के 3 फिट नीचे से पाइप लाईन विस्तारीकरण किया जायेगा। 20 हैक्टेयर मे एक पम्प हॉउस स्थापित होगा। जिससे किसानों की बिजली व डीजल की बचत होगी।

कूडन जलाशय से आगे ग्राम इमलिया में पहाड़ पर ओवर टैंक, सिहुडी बाकल, केवलारी निपानिया व पहरुआ पहाड़ पर ओवर टैंक का निर्माण किया जाएगा। इन ओवर टैंकों से खेतों में कृषि सिंचाई के लिए पाइप लाइन विस्तारीकरण किया जाएगा। ढाई हेक्टेयर पर एक कनेक्शन निर्धारित किया जाएगा। कृषक स्प्रिंकलर के माध्यम से खेतों में सिंचाई कार्य करेंगे।

माइक्रो लिफ्ट एरिगेशन परियोजना कार्य से बहोरीबंद के पठार अंचल सहित अन्य गांवों में पेयजल संकट दूर हो जाएगा। कूडन जलाशय नर्मदा जल पहुंचते ही आगे जैसे कृषि सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता कराई जाएगी। उसी स्तर पर पेयजल आपूर्ति भी होगी। जिससे गांवों में पानी पीने का संकट दूर होगा। इसके लिए जल जीवन मिशन अभियान के तहत पेयजलापूर्ति के कार्य किए जाएंगे।

परियोजना का कार्य तीन वर्ष में पूरा होगा, गठित होगी संस्था

कार्य पूर्ण होने के बाद योजना के क्रियान्वयन के लिए जल उपभोक्ता संस्था गठित की जाएगी। 2 हजार हैक्टेयर भूमि के बीच में एक संस्था गठित की जाएगी। इस प्रकार 183 गाँव की 47 हजार 716 हैक्टेयर भूमि के लिए 23 जल उपभोक्ता संस्था गठित की जाएगी। नर्मदा जल कृषि सिंचाई के साथ छोटे छोटे तालाबों को भी मांग अनुरूप दिया जायेगा।

निर्माण एजेंसी के प्रोजेक्ट मैनेजर आशीष पाटीदार का कहना था कि माइक्रो लिफ्ट एरिगेशन परियोजना के तहत खेतों मै पाइप लाईन विस्तारीकरण का कार्य शुरू क़र दिया गया है। जगह -जगह प्लांट स्थापित किये गए है। जब खेतों मै पाइप लाईन विस्तारीकरण कार्य हो तो सभी किसान एकजुट होकर इस कार्य को अपने अपने खेतों मै पूर्ण करवाए ओर दूसरे किसानों को प्रेरित करें जिससे जल्द से जल्द योजना मूर्तरूप ले ओर नर्मदा जल का सपना साकार हो सके क्योंकि बहोरीबंद का पठार अंचल पानी की कमी से हमेशा जूझता रहा हैं। यहाँ पेयजल सहित कृषि सिंचाई के लिए हमेशा समस्या बनी रहती थी!ग्रीष्म काल समय मै तो पानी का विकराल संकट उतपन्न हो जाता था। इस माइक्रो लिफ्ट एरिगेशन परियोजना से वह समस्या दूर होगी।

अब विद्यार्थी 10 जुलाई तक करा सकेंगे ऑनलाइन पंजीयन

कटनी। उच्च न्यायालय के आदेशानुसार उच्च शिक्षा विभाग द्वारा सत्र 2025-26 में महाविद्यालयों में स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश के लिए तिथि में वृद्धि की है। साथ ही स्नातकोत्तर कक्षाओं में 2025-26 में ऑनलाइन प्रवेश अंतर्गत सीएलसी चरण के लिए अद्यतन समय सारणी जारी की गई है। जारी समय सारणी के अनुसार स्नातकोत्तर कक्षाओं में मेजर माइनर विषयों में एवं मेजर एवं माइनर विषय के अतिरिक्त अन्य विषय में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थी 10 जुलाई तक ऑनलाइन पंजीयन कर सकेंगे। पंजीकृत आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन 11 जुलाई तक होगा। मेजर माइनर के अलावा अन्य विषयों में आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को साक्षात्कार के दिनांक, स्थान एवं समय की सूचना 14 जुलाई को दी जाएगी। मेजर माइनर के अलावा अन्य विषयों में आवेदन करने वाले विद्यार्थियों के साक्षात्कार एवं पोर्टल पर अंकों की प्रविष्टि 16 से 17 जुलाई तक होगी। विद्यार्थियों को महाविद्यालयों में सीट का आवंटन 21 जुलाई को होगा। आवंटित महाविद्यालय में प्रवेश शुल्क का भुगतान 21 से 25 जुलाई तक किया जा सकेगा।

बरही क्षेत्र में नदी पार करने के दौरान एक वृद्ध तेज बहाव में बहा

तेज बारिश से कच्चा मकान ढहा, मलबे में दबने से 5 घायल, 2 की हालत गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

तेज बारिश की वजह से जहां कच्चे मकान धराशायी हो रहे हैं वहीं नदी नालों के बढ़े जलस्तर खतरा बने हुए हैं। बड़वारा थाना क्षेत्र के गुड़ा जमुनिया गांव में रविवार की रात बारिश से एक कच्चा मकान ढह गया। हादसे में एक ही परिवार के पांच सदस्य घायल हुए हैं। इनमें दो को गंभीर चोट आई है। घायलों की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने सभी को मलबे से निकाला। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़वारा में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार रविवार देर रात रामस्वरूप सिंह का मकान देर रात अचानक ढह गया। मलबे में रामस्वरूप सिंह

60, पत्नी कोशा बाई 50, बेटे मनोज सिंह 35, विनोद सिंह 30 और भाई दरियाद सिंह 50 दब गए। कोशा बाई और रामस्वरूप सिंह की स्थिति चिंताजनक है। कच्चा मकान गिरने से हुए हादसे में घर में बंधी दो भैंस और एक बैल की मौत हो गई। घर में रखा अनाज, कपड़े और अन्य सामान भी नष्ट हो गया है। बड़वारा तहसीलदार संदीप सिंह ने बताया कि पटवारी से जांच कराई जा रही है। जांच रिपोर्ट के बाद मुआवजा दिया जाएगा।

इसी तरह बरही थाना क्षेत्र में एक वृद्ध नदी पार करने के प्रयास में बह गया। जानकारी अनुसार ताली रोहनिया गांव निवासी 65 वर्षीय हरिया कुम्हार रविवार दोपहर से लापता हैं। वे अपने मवेशियों को चराने हल-फल नदी के पास गए थे। दोपहर करीब 2 बजे नदी का जलस्तर अचानक बढ़ गया। हरिया ने मवेशियों को बचाने की कोशिश की। उन्होंने पशुओं को गांव की तरफ भेज दिया। खुद भी नदी पार करने का प्रयास किया। इसी दौरान वे तेज बहाव में बह गए। घटना की जानकारी मिलते ही बरही थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत NDRF टीम को सूचित किया। NDRF की टीम सुबह से हरिया कुम्हार की तलाश कर रही है। टना को 12 घंटे से अधिक समय बीत चुका है। अभी तक हरिया कुम्हार का कोई सुराग नहीं मिला है। इससे परिजनों और ग्रामीणों में चिंता का माहौल है। थाना प्रभारी के अनुसार खोज अभियान जारी है।

जगन्नाथ स्वामी मंदिर में हुआ भंडारा

जगन्नाथ चौक स्थित भगवान जगन्नाथ स्वामी मंदिर में सोमवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने श्रृद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। श्रृद्धालुओं ने जगन्नाथ के भात को जगत पसारे हाथ को के नारे लगाते हुए कतारबद्ध होकर भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया, कोतवाली प्रभारी अजय बहादुर सिंह भी भगवान जगन्नाथ मंदिर पहुंच कर भगवान के दर्शन किए और प्रसाद ग्रहण किया। भगवान जगन्नाथ कमेटी के अध्यक्ष प्रमोद सरावगी ने बताया कि दिन भर भंडारा चलेगा। भंडारे में लगातार श्रृद्धालुओं की भीड़ पहुंच रही है सभी लोग आराम से भगवान जगन्नाथ के जयकारे लगाते हुए प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं।

पानी के बहाव से पुल किनारे से हो रहा मिट्टी का कटाव, खतरे में आवागमन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उमरियापान

उमरियापान से परसेल पहुँच मार्ग में घुघरा में बेलकुण्ड नदी के पुल में बारिश से मिट्टी का कटाव बढ़ता जा रहा है। तेज पानी के बहाव से पुल के किनारे की मिट्टी तेजी से कटकर बह रही है।अब यह मार्ग बेहद खतरनाक होता जा रहा है।नजदीकी कोई दूसरा मार्ग आवागमन के लिए नहीं है।मजबूरी में लोगों को जान जोखिम में डालकर इसी पुल से गुजरना पड़ रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के दिनों नदी का जल स्तर लगाकर बढ़ता है।जिससे पुल के पास की मिट्टी बह गई है, सड़क का बड़ा हिस्सा कट गया है। पानी के बहाव में मिट्टी के कटाव के कारण पुल का आधार कमजोर हो रहा है।

पुल के क्षतिग्रस्त होने पर दर्जनों गांवों का आवागमन बाधित होगा। बेलकुण्ड नदी के पुल में मिट्टी का कटाव बड़ा आकर लेता जा रहा है लेकिन जिम्मेदारों ने पुल के पास न तो चेतावनी बोर्ड लगाया और न ही कोई बैरिकेड्स।

इनका कहना है

इस संबंध में एसडीओ आरईएस अजय केशरवानी का कहना है कि घुघरा में बेलकुण्ड नदी का पुल 15 साल पुराना है। उपयंत्रियों के साथ मौके पर पहुँचकर स्थिति का जायजा लिया है।पुल पर अटे कचरे और लकड़ियां को हटवाया हैं।बारिश में सबसे पहले मिट्टी का कटाव रोकने के प्रयास किये जा रहे है।इसके लिए एस्टीमेट तैयार कर भेज दिया गया है।

पौधारोपण के लिए किया जाएगा अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग

15 अगस्त से "एक बगिया माँ के नाम" अंतर्गत शुरू होगा पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कटनी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश की स्व-सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत "एक बगिया मां के नाम" परियोजना शुरू की गई है। इसके अंतर्गत स्व-सहायता समूह की महिलाओं की निजी भूमि पर फलोद्यान की बगिया विकसित की जाएगी। प्रदेश में ऐसा पहली बार होगा जब अत्याधुनिक तरीके पौधरोपण का कार्य किया जाएगा। इस परियोजना के अंतर्गत ऐप के माध्यम से हितग्राहियों का चयन किया जाएगा। परियोजना के क्रियान्वयन को लेकर मनरेगा परिषद ने तैयारी शुरू कर दी है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा इस संबंध में निर्देश भी जारी किए गए हैं।

परियोजना का लाभ लेने के लिए आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूह की महिला का चयन "एक बगिया मां के नाम" ऐप से किया जाएगा। अन्य किसी माध्यम से हितग्राही का चयन नहीं किया जाएगा। चयनित महिला हितग्राही के नाम पर भूमि नहीं होने की दशा में उस महिला के पति, पिता, ससुर और पुत्र की भूमि पर सहमति के आधार पर पौधरोपण किया जाएगा।

महिलाओं को मिलेगा लाभ

परियोजना के अंतर्गत प्रदेश की 30 हजार से अधिक स्व-सहायता समूह की महिलाओं को लाभ मिलेगा। इनकी निजी जमीन पर 30 लाख से अधिक फलदार पौधे लगाएं जाएंगे, जो समूह की महिलाओं की आर्थिक तरक्की का आधार बनेंगे। परियोजना के अंतर्गत हितग्राहियों को पौधे, खाद और गड्ढे खोदने के साथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए कटीले तार की फेंसिंग और सिंचाई के लिए 50 हजार लीटर का जल कुंड बनाने के लिए राशि प्रदान की जाएगी।

परियोजना के अंतर्गत प्रत्येक ब्लॉक में न्यूनमत 100 हितग्राहियों का चयन किया जाएगा। इन चयनित पात्र महिलाओं को वर्ष में दो बार प्रशिक्षण दिया जाएगा।

परियोजना के अंतर्गत पौधारोपण के लिए जमीन का चयन वैज्ञानिक पद्धति (सिपरी सॉफ्टवेयर) के माध्यम से किया जाएगा। जमीन चिन्हित होने के बाद सॉफ्टवेयर से भूमि का परीक्षण किया जाएगा। जलवायु के साथ ही किस जमीन पर कौन सा फलदार पौधा उपयुक्त है। पौधा कब और किस समय लगाया जाएगा। सिपरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से यह पता लगाया जाएगा कि पौधों की सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी का स्त्रोत कहां उपलब्ध है। जमीन के उपयोगी नहीं पाए जाने पर पौधरोपण का कार्य नहीं होगा।

परियोजना का लाभ लेने के लिए चयनित हुई समूह की महिला के पास न्यूनतम आधा एकड़ या अधिकतम एक एकड़ जमीन होना अनिवार्य है।

नवीन शासकीय माध्यमिक शाला उदयपुरा का मामला

दो वर्ष पहले स्कूल भवन बनकर तैयार, अब तक नहीं मिली राशि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ स्लीमनाबाद

सरकारी स्कूलों मे विद्यार्थियों को अध्ययन करने सरकारी भवन की सुविधा हो इसके लिए स्कूलों का निर्माण सरकार द्वारा कराया जा रहा है जिसके भारी भरकम राशि भी खर्च की जा रही है लेकिन स्कूल भवनो के निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने के वाबजूद भी निर्माण एजेंसियों को राशि शासन स्तर से नहीं मिल रही है। जिस कारण निर्माण एजेंसियो को परेशान होना पड़ रहा है।

ताज़ा मामला बहोरीबंद विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बुधनवारा के नवीन शासकीय माध्यमिक शाला उदयपुरा का सामने आया है। जहाँ स्कूल भवन निर्माण कार्य पूर्ण होने के दो वर्ष बीत

जाने के वाबजूद भी निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत को निर्माण कार्य की लागत राशि नहीं मिल पाई है। ग्राम पंचायत के तत्कालीन सचिव आदेश पटेल ने बताया कि वर्ष 2015-16 मे सर्व शिक्षा अभियान के तहत नवीन शासकीय माध्यमिक शाला उदयपुरा के निर्माण कार्य के लिए 14 लाख 98 हजार रूपये की राशि सर्व शिक्षा अभियान के तहत स्वीकृत हुई।

स्कूल भवन निर्माण के लिए ग्राम पंचायत को जवाबदेही दी गई। नवीन शासकीय माध्यमिक शाला का भवन वर्ष 2022-23 मे बनकर तैयार हो गया। स्कूल भवन निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद वर्ष 2022-23 मे ही स्कूल भवन शिक्षा विभाग को हेंडओवर क़र दिया गया। स्कूल भवन निर्माण कार्य की लागत राशि 14 लाख 98 हजार मे से पहली किश्त 5 लाख 98 हजार रूपये व दूसरी किश्त भी 5 लाख 98 हजार रूपये प्राप्त हुई लेकिन तीसरी किश्त के शेष बची राशि 3 लाख 62 हजार रूपये आज तक नहीं मिली है।

शिकायत के बाद भी ध्यान नहीं दे रहे अधिकारी

उक्त राशि जब कि ग्राम पंचायत खाते की है व कुछ निजी भी है जो स्वयं से व्यय क़र निर्माण सामग्री विक्रेताओं को देनी पड़ी है। शेष बची राशि प्राप्त हो इसके लिए कई बार शिक्षा विभाग के अधिकारियो को लिखित शिकायत तक दी जा चुकी है। लेकिन सिर्फ अधिकारी आश्वासन दे रहे है ओर दो साल से आज तक राशि उपलब्ध नहीं करवा पाए है।

इनका कहना है

इस संबंध में उपयंत्री सर्व शिक्षा अभियान एसके सोनी का कहना है कि शासकीय नवीन माध्यमिक शाला भवन का निर्माण कार्य निर्माण एजेंसी ग्राम पंचायत के द्वारा कराया गया। निर्माण कार्य की सीसी व मूल्यांकन कार्य पूर्ण क़र विभागीय स्तर से शासन को भेज दिया गया है। तीसरी किश्त की राशि भी शासन स्तर से ही आनी है।

बारिश में ढह गए कच्चे मकान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ढीमरखेड़ा

बारिश के चलते खम्हरिया गांव में दर्जन से अधिक लोगों के मकानों में पानी भर गया। जबकि दर्जन से अधिक लोगों के घर गिरकर क्षतिग्रस्त हो गए। खम्हरिया निवासी रज्जू पाल, राम सिंह ठाकुर, दादू लाल यादव, रतन यादव, नाथू भूमिया, लटूरा यादव, भागवत महोबिया, प्रेमलाल जोगी, रामविशाल कोल, संपत कोल, मान सिंह गौंड और प्यारेलाल महोबिया के घर गिरकर धराशाही हो गए हैं।ग्रामीणों की गृहस्थी नष्ट हो गई, जिससे ग्रामीणों को आर्थिक नुकसान पहुंचा है। वहीं नेगई में भगवान दास पिता लटोरा कोल का कच्चा मकान भी गिरकर क्षतिग्रस्त हो गया है।

ढीमरखेड़ा तहसीलदार आशीष अग्रवाल ने बताया कि बारिश से जहा भी नुकसान हुआ है। पटवारियों के माध्यम रिपोर्ट मंगाई जा रही है। पीड़ितों को राहत राशि दिलाने की कार्रवाई की जाएगी।

खबर संक्षेप

मोहर्रम पर्व पर नगर निगम ने की व्यवस्थाएं

कटनी। मुहर्रम का पर्व रविवार को भारी बारिश एवं नगर निगम की पुख्ता व्यवस्थाओं के बीच संपन्न हुआ। निगमायुक्त नीलेश दुबे एवं महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी के निर्देश पर मुहर्रम पर्व को दृष्टिगत रखते हुए समय से निगम प्रशासन द्वारा की जानें वाली साफ- सफाई, प्रकाश, पेयजल, कुंड निर्माण, टेंकरों के माध्यम से पानी की व्यवस्था, सहित अन्य आवश्यक सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण करा दी गई थी। मोहर्रम पर्व के दौरान जूलूस की पर्याप्त साफ सफाई सहित चूने की लाईनिंग कीटनाशक दवाओं के छिड़काव के कार्य के साथ ही किसी भी तहर की आवारा मवेशियों की समस्या का सामना न करना पड़े इस हेतु हांका गेंग की टीम के कर्मचारियों द्वारा जुलूस मार्ग में जगह - जगह उपस्थित रहकर आवारा मवेशियों पर नियंत्रण लगानें की कार्यवाही की गई। इसके साथ ही कर्बला घाट एवं जुलूस मार्ग की सुचारू सफाई व्यवस्था हेतु वार्ड दरोगा एवं स्वच्छता दूतों की टीम सहित विभागीय अधिकारियों द्वारा जुलूस समाप्ति तक मौके पर उपस्थित रहकर निगम प्रशासन की समस्त आवश्यक व्यवस्था सुचारू रखने के प्रयास किये गए।

जलभराव की समस्या के निराकरण करने किए प्रयास

कटनी। गत दिवस हुई अतिवृष्टि के दौरान नाले एवं नालियों के चोक होने के दौरान जलभराव की संभावना को दृष्टिगत रखते हुए निगम के स्वच्छता दूतों द्वारा सोमवार प्रातः से वार्डो का निरीक्षण कर नाले नालियों के चोक स्थलों की सफाई सहित नगर की विभिन्न निचली बस्तियों में जल निकासी के प्रयास किये गए। स्वच्छता दूतों द्वारा वार्ड क्रमांक 18 पवनपुरी में पाइप के ढोल की सफाई कराकर जल निकासी कराई गई। वहीं वार्ड क्रमांक 35 में जे.सी.बी मशीन के माध्यम से नाली में फसे कचरे की सफाई का कार्य कराया गया। जगन्नाथ स्वामी मंदिर में आयोजित होनें वाले भंडारे को देखते हुए मंदिर परिसर सहित आस पास एवं जगन्नाथ चौक के विभिन्न स्थलों की सफाई की जाकर चूने की लाईनिंग के कार्य सहित कीटनाशक दवा का छिड़काव किया गया। इसके अतिरिक्त नगरीय एवं उपनगरीय क्षेत्र के विभिन्न वार्डों सहित स्टेशन रोड मुख्य मार्ग, बस स्टेंड, मिशन चौक, मुक्तिधाम परिसर, सेल्फी प्वाइंट सहित विभिन्न स्थलों की सफाई करा कचरे का उठाव किया गया।

कंट्रोल रूम में मिल रही शिकायतों का निराकरण

कटनी। अतिवृष्टि के दौरान जल भराव की समस्या से निपटनें हेतु निगमायुक्त नीलेश दुबे के निर्देशन में नगर निगम कार्यालय में बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना की जाकर चार शिफ्ट में 15 कर्मचारियों की डियूटी लगाई जाकर संलग्न कर्मचारियों को मुस्तैदी से कार्य करनें के निर्देश दिए है। बाढ़ नियंत्रण कक्ष अधिकारी एवं सहायक राजस्व निरीक्षक सागर नायक नें बताया कि कंट्रोल रूम के माध्यम से अब तक नगर के रफी अहमद किदवई वार्ड, रामकृष्ण परमहंस वार्ड, विश्राम बाबा वार्ड, आचार्य विनोवा भावे वार्ड, सीएलपी वार्ड, जकिर हुसैन वार्ड से जलभराव संबंधी प्राप्त 8 शिकायतों को तत्काल ही स्थानीय अधिकारियों को प्रेषित करते हुए प्राप्त शिकायतों का तत्परता के साथ निराकरण कराया गया। नगर में विगत दो दिवस से नगर में रूक-रूक कर हो रही वर्षा के मद्देनजर निगमायुक्त नीलेश दुबे ने नगर निगम के गठित आपदा नियंत्रण दल के सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को अपना-अपना मोबाइल चालू रखते हुए अलर्ट मोड़ पर दायित्वों का निर्वहन करनें के निर्देश दिए है।

जिले में अब तक 389.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज

कटनी। जिले में इस वर्ष रविवार 1 जून से सोमवार 7 जुलाई तक कुल 389.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जिले में सर्वाधिक औसत वर्षा इस साल स्लीमनाबाद तहसील में दर्ज की गई है, जहां अब तक 557.4 मिलीमीटर वर्षा हुई है। जिले में इसी अवधि में बीते वर्ष कुल 118.1 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। इस प्रकार इस साल अब तक पिछले वर्ष की तुलना में 229.6 प्रतिशत अधिक औसत वर्षा हो चुकी है।

कलेक्टर ने समय-सीमा बैठक में अधिकारियों को कहा बाढ़ आपदा से निपटने अलर्ट मोड में रहें

पशु मालिकों पर जुर्माने के साथ दर्ज होगी एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

कलेक्टंर दिलीप कुमार यादव ने निर्देशित किया कि बारिश के मौसम के मद्देनजर संभावित बाढ़-आपदा के परिप्रेक्ष्य में आपदा प्रबंधन से जुड़े सभी विभाग, अधिकारी और अमला अलर्ट मोड पर रहे। सभी समय पर फोन उठायें, रिस्पांस टाइम फास्टा होना चाहिए। ताकि किसी जरूरतमंद को समय पर मदद पहुंचाई जा सके। इसी प्रकार सड़कों में घुमन्तु पशुओं को गोशालाओं में भेजने और पशुपालकों के विरूद्ध एफआईआर कराने सहित जुर्माने की कार्यवाही करने की हिदायत कलेक्टर ने अधिकारियों को दी।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, वनमंडलाधिकारी गौरव शर्मा, जिला पंचायत के सीईओ शिशिर गेमावत एवं अपर कलेक्टिर साधना परस्तेश मौजूद रहे।

कलेक्टार श्री यादव ने सोमवार को आयोजित समय-सीमा बैठक में सीएम हेल्पिलाइन, सीएम डैशबोर्ड, समग्र ई-केवाईसी, सर्पदंश सहित विभिन्न महत्वटपूर्ण बिंदुओं की समीक्षा की एवं अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

बैठक के दौरान कलेक्टईर श्री यादव ने कहा कि सभी विभाग राज्यओ मानवाधिकार आयोग से प्राप्तड शिकायतों पर कृत कार्यवाही का प्रतिवेदन भेजें। साथ ही सीपीग्राम से प्राप्तम शिकायतों का 2 दिवसों में निराकरण करना सुनिश्चित करें।

किसानों को न हो असुविधा

कलेक्टंर श्री यादव ने कृषि, विपणन और सहकारिता विभाग के अफसरों को दो टूक लहजे में हिदायत दी कि उर्वरक, बीज और मृदा परीक्षण जैसे कार्यों के लिए अन्नलदाता को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। कलेक्टकर ने जिले के उर्वरक की उपलब्ध्ता एवं वितरण व्यकवस्थां की भी समीक्षा की।

पशुपालकों पर करें कार्यवाही

बैठक में कलेक्टार श्री यादव ने सड़कों में विचरण करने वाले आवारा घुमन्तु पशुओं के मालिकों के विरूद्ध कार्यवाही नहीं किये जाने पर सभी एसडीएम और और जनपद पंचायतों के सीईओ के प्रति नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि सड़कों में विचरण करते हुए पशु दुर्घटना की वजह बनते हैं। साथ ही खुद पशु भी घायल होते हैं इसलिए पशुपालक

का पता न चलने पर इन पशुओं को गौशालाओं में भिजवानें की हिदायत कलेक्टंर श्री यादव ने दिया।

बारिश में रहे अलर्ट

जिले में हो रही लगातार बारिश के मद्देनजर कलेक्टरने सभी एसडीएम एवं तहसीलदार को अलर्ट रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर होमगार्ड भेजें। उन्होंने कहा कि सड़क, पुलियों एवं रपटों में पानी भरने पर समय पर बैरिकेट्स लगाये जाये ताकि संभावित हादसों से बचा जा सके। कलेक्टर ने खाद्य सुरक्षा विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन जगहों पर जलभराव हो वहां पानी की टेस्टिंग जरूर करें।

समीक्षा के दौरान कलेक्टंर श्री यादव ने स्वाटस्थ्ी विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि सर्पदंश के मामलों में पूरी संवेदनशीलता बरतें। अस्पतालाओं में एंटी वेनम इंजेक्शिन की पर्याप्त उपलब्धशता हो। साथ ही यह सुनिश्चित करें कि सामुदायिक स्वामस्य्टी केन्द्रों में प्रशिक्षित स्वा्स्य्तड कर्मी हर समय मौजूद रहे।

जाति प्रमाण पत्र बनाने लगायें कैंप

बैठक के दौरान कलेक्टार श्री यादव ने स्कूलों में नामांकन की स्थिति की समीक्षा की जिस पर जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि जिले में अब तक कक्षा 1 से 5 तक 91 हजार 850, कक्षा 6 से 8 तक 62 हजार 644 एवं कक्षा 9 से 12 के बीच 57 हजार 319 छात्र-छात्राओं का नामांकन हो चुका है जो कि तय लक्ष्य् का 90.2 फीसदी है। इस पर कलेक्टर श्री यादव ने जल्द ही शत प्रतिशत नामांकन पूरा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी एसडीएम को निर्देशित करते हुए कहा कि वे बीईओ एवं बीआरसी से समन्वशय कर जिले में संचालित स्कूतलों में कैंप लगाकर बच्चोंज के जाति, निवास, आय एवं आधार अपडेट करायें। ताकि उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके। इसी प्रकार उन्होंनने शासकीय महाविद्यालयों में भी कैंप लगाने के निर्देश दिए।

समग्र ई-केवाईसी की समीक्षा

बैठक के दौरान कलेक्टार श्री यादव ने समग्र ई-केवाईसी की साप्ता हिक प्रगति की समीक्षा करते हुए नगर निगम द्वारा किये गये प्रयासों पर संतुष्टि जाहिर करते हुए इसी प्रकार कार्य करने के निर्देश दिए। उन्हों्ने जनपद पंचायत बड़वारा एवं ढीमरखेड़ा को डुप्लीपकेट समग्र को डिलीट करते हुए ई-केवाईसी कार्य में और तेजी लाने हेतु निर्देशित किया।

केपीआई रिपोर्ट की समीक्षा

केपीआई रिपोर्ट की समीक्षा के दौरान उन्होंजने श्रम विभाग की केपीआई रिपोर्ट अद्यतन न होने पर नाराजगी जाहिर की तथा एमपीएसईडीसी से समन्वेय कर इसे अपडेट कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्वाएस्य्जी विभाग की समीक्षा के दौरान सभी सीईओ जनपद पंचायत और एसडीएम आपस में समन्व्य कर साप्तानहिक मीटिंग कर बीएमओ, आशा कार्यकर्ताओं व सचिव के माध्यम से जुलाई अंत तक शेष आयुष्माकन कार्ड बनवाने के निर्देश दिए।

श्री यादव ने उद्योग विभाग को स्वषरोजगार योजना के तहत प्राप्तद आवेदनों को लक्ष्याानुसार बैंक की ओर प्रेषित कर ऋण वितरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा पंचायत एवं ग्रामीण विकास, अन्य पिछड़ा वर्ग, जनजातीय विभाग, एवं पशुपालन एवं डेयरी विभाग की केपीआई स्कोअर की समीक्षा भी की गई।

बैठक के दौरान सभी डिप्टीर कलेक्टपर, एसडीएम, तहसीलदार, निगम आयुक्तए, जिला परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास, महाप्रबंधक जिला व्यातपार एवं उद्योग केन्द्रा, जिला शिक्षा अधिकारी, सिविल सर्जन एवं अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

मछली पकड़ने के दौरान कटनी नदी में बह गया था युवक

नदी के तेज प्रवाह में बह गया युवक, एनडीआरएफ टीम ने किया रेस्क्यू

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मछली पकड़ने गया एक युवक अचानक नदी के तेज बहाव में बह गया। गनीमत रही कि बहते हुए वह एक पेड़ की शाखा पकड़कर वह पेड़ में चढ़ गया। पुलिस और NDRF की टीम ने मौके पर पहुंचकर उसे बचा लिया। बताया जाता है कि मुक्ति धाम के समीपनव निर्मित पुल के पास युवक मछली पकड़ने के लिए पानी में उतरा और तेज प्रवाह में बहने लगा। युवक को बहते देख स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कोतवाली थाना प्रभारी अजय सिंह, बस स्टैंड चौकी प्रभारी सहित पुलिस बल मौके पर पहुंची और स्थिति की गंभीरता को देखते हुए

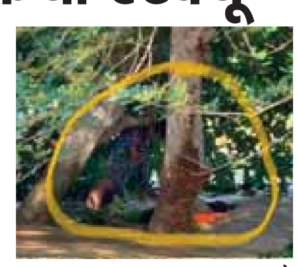

NDRF (राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल) की टीम को बुलाया गया। राहत व बचाव दल ने तत्परता दिखाते हुए लगभग चले 1 घंटे के सफल रेस्क्यू के दौरान युवक को नदी से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवक नदी किनारे मछली पकड़ रहा था, तभी अचानक उसका पैर फिसला और वह तेज बहाव में बह गया। समय रहते राहत दल द्वारा की गई कार्रवाई से उसकी जान बच सकी। बचाए गए युवक की पहचान पंकज कुमार चौधरी पिता नरबदप्रसाद चौधरी 22 वर्ष, निवासी बीजाखेड़ा, थाना शाह नगर जिला पन्ना के रूप में हुई है। युवक कटनी मे रहकर रिक्शा चलाकर अपना जीवन यापन करता है फिलहाल युवक की हालत स्थिर है और उसे प्राथमिक चिकित्सा के लिए जिला अस्पताल लाया गया जहाँ पर वह पूर्ण रूप से स्वस्थ बताया गया है।कोतवाली थाना प्रभारी अजय सिंह ने लोगों से अपील की है कि मानसून के दौरान नदी के किनारे जाने से बचें, क्योंकि पानी का बहाव तेज होता है और हादसे की आशंका बनी रहती है।

उपायुक्त ने विभिन्न शाखाओं का किया औचक निरीक्षण

नगर निगम आयुक्त नीलेश दुबे के निर्देश पर उपयुक्त शैलेश गुप्ता द्वारा सोमवार को नगर निगम कार्यालय की विभिन्न शाखाओं का औचक निरीक्षण कर अधिकारी कर्मचारियों को निर्धारित समय पर अपनी शाखा में उपस्थित रहकर दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। उपयुक्त श्री गुप्ता द्वारा आवक जावक शाखा, लोक निर्माण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, लेखा शाखा, जलप्रदाय शाखा, राशन कार्ड शाखा, जलकर एवं संपत्तिकर जमा काउंटर, समग्र आई डी काउंटर आदि कार्यालय का निरीक्षण किया गया। इस दौरान सभी अधिकारी कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वहन करते पाए गए। उपयुक्त श्री गुप्ता ने इस दौरान विभिन्न विभागों की समस्याएं भी सुनी और उनके निराकरण का आश्वासन भी विभागीय कर्मचारियों को दिया।

प्रदेश अध्यक्ष की उपस्थिति में आयोजित हुआ नगरीय निकाय का जिला सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

मप्र नगर निगम, नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह सोलंकी के मुख्य आतिथ्य एवं कपिल दुबे संभागीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में एवं मुकेश रजक जिला सचिव एवं इकाई सचिव रमेश मिश्रा नगर निगम जबलपुर, संजय समुद्रे मुख्य नगरपालिका अधिकारी बरोदिया कला सागर की उपस्थिति में शनिवार 5 जुलाई को जिला स्तरीय नगरीय निकाय का सम्मेलन नगर निगम कटनी के मेयर इन काउंसिल सभाकक्ष में संपन्न हुआ।

सम्मेलन के दौरान प्रदेश संगठन सचिव गणेश प्रसाद बिचपुरिया के सेवानिवृत्ति उपरांत प्रदेश अध्यक्ष एवं संभागीय अध्यक्ष द्वारा मोमेंटम

एवं शाल श्रीफल भेंट कर श्री बिचपुरिया का स्वागत किया गया। तदोपरांत कर्मचारियों की समस्याओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। नगरीय निकाय के आयोजित जिला सम्मेलन में जिला शाखा का गठन किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से पारसनाथ प्रजापति को जिलाध्यक्ष, कार्यवाहक अध्यक्ष गिरीराज पाठक, उपाध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा सिंह चैहान, ऋषि राज दुबे, महेन्द्र उपाध्याय, गोवर्धन उपाध्याय, जिला महामंत्री अशोक कुमार गर्ग, रामकिंकर तिवारी, सूरज विश्वकर्मा, जिला सचिव लव कुश तिवारी, बिहारी लाल यादव, तीरथ चतुर्वेदी, जिला उपसचिव अमित सोनी, ब्रजेश मिश्रा, ब्रजेश सोनी, जिला संगठन सचिव विनोद सिंह चैहान, के साथ कार्यकारिणी गठित की गई।

पुलिस अधीक्षक ने कोतवाली थाना का किया निरीक्षण

जनता की समस्या को गंभीरता से लेकर करें निराकरण, लंबित न रहें कोई प्रकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

एसपी अभिनय विश्वकर्मा ने थाना कोतवाली का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने थाना के हवालात, मालखाना, शस्त्रागार, सीसीटी एनएस कक्ष, अपराध रजिस्टर, आगंतुक रजिस्टर आदि का बारीकी से परीक्षण किया। उन्होंने अभिलेखों के संधारण की गुणवत्ता, लंबित प्रकरणों की स्थिति एवं उनके निराकरण की प्रक्रिया की भी गहन समीक्षा की। प्रमुख दिशा-निर्देश जनसुनवाई को दें सर्वोच्च प्राथमिकता प्रत्येक फरियादी को संवेदनशीलता, सम्मान एवं धैर्य के साथ सुना जाए। थाने में आने वाले प्रत्येक नागरिक को यह अनुभव होना चाहिए कि उसकी समस्या को गंभीरता से लिया गया है। जन

विश्वास को मजबूत करना पुलिस की प्रथम जिम्मेदारी है लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण अपराधों की विवेचना में किसी भी स्तर पर देरी न हो।

विवेचना की गुणवत्ता, साक्ष्य संकलन, अभियुक्त की गिरफ्तारी एवं चालान की प्रक्रिया समयबद्ध व विधिसम्मत रूप से सुनिश्चित की जाए। विशेषकर महिला एवं बच्चों से संबंधित प्रकरणों को प्राथमिकता दी जाए। रिकॉड्र्स एवं डिजिटल अभिलेखों का संधारण थाने के समस्त अभिलेख सुव्यवस्थित, अद्यतन एवं स्पष्ट होने चाहिए। सीसीटीएनएस पर अपराध पंजीबद्ध होने से लेकर चालान प्रस्तुत किए जाने तक की सभी प्रविष्टियां समय पर होनी चाहिए। थाना परिसर की सफाई एवं अनुशासन थाना परिसर की साफ-सफाई, कार्यालय कक्षों की सुव्यवस्था, हवालात की सुरक्षा एवं मानवाधिकारों के अनुरूप स्थिति, स्टाफ की वर्दी, व्यवहार व ड्यूटी के प्रति सजगता अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इन सभी पहलुओं पर नियमित निगरानी आवश्यक है।

रजिस्टर में दर्ज फरियादियों से स्वयं संपर्क कर यह सुनिश्चित किया जाए कि उन्हें उचित न्याय मिला है अथवा नहीं। यह प्रक्रिया पुलिस की पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करती है। जिले में शांति, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु एसपी विश्वकर्मा द्वारा जिले के समस्त थाना प्रभारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। एसपी ने विशेष रूप से प्रत्येक थाने में अपराधियों के डोज़ियर तैयार करने और संदिग्ध/ अवांछित तत्वों पर प्रभावी प्रतिबंधात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बच्चों से लेकर वृद्धजन तक सभी आ रहे सर्दी, खांसी, बुखार की चपेट में

मौसमी बीमारियों का बढ़ा प्रकोप, अस्पताल में मरीजों की लगी लंबी कतारें

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

बारिश का मौसम यूं तो सुहावना होता है लेकिन यह मौसम अपने साथ कई तरह की बीमारियों की सौगात भी लेकर आता है। मक्खी, मच्छरों सहित तरह तरह के कीड़े मकोड़ों के अलावा जहरीले जीव जंतु लोगों को अपना शिकार बनाते हैं। दूषित खानपान एवं बारिश में भीगने एवं मौसम में बदलाव की वजह से हर उम्र के लोग मौसमी बीमारियों की चपेट में आते हैं। कुछ दिनों से मानसून सक्रिय हो गया है जिससे मौसम के उतार चढ़ाव के चलते बीमारियां भी बढ़ने लगी है। निजी व सरकारी अस्पतालों में मरीजों की भीड़ देखी जा रही है। आम दिनों के मुकाबले स्लीमनाबाद अस्पताल की ओपीडी 100 तक पहुंचने लगी है। लगातार सप्ताह भर से ओपीडी 100 पार पहुंच रही है।

इनमें से करीब 20 प्रतिशत मरीज उल्टी-दस्त की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंच रहे हैं। इनमें कुछ मरीजों की हालत गंभीर होने के कारण अस्पताल में भर्ती करना पड़ रहा है। उल्टी-दस्त की चपेट में आने वालों में ज्यादातर बच्चे हैं। इन दिनों सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सभी वार्ड फुल है।

स्लीमनाबाद स्वास्थ्य केंद्र से मिली जानकारी के मुताबिक आम दिनों में अस्पताल की ओपीडी करीब 50 से 40 तक पहुंचती है लेकिन वर्तमान मैं 100से 110 के आसपास ओपीडी पहुंच रही है।

स्लीमनाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे पदस्थ चिकित्सा अधिकारी डॉ शिवम दुबे ने बतलाया कि मौसम में आ रहे बदलाव की वजह से बच्चे वायरल फीवर के साथ ही खांसी, जुकाम व उल्टी, दस्त जैसी बीमारियों की चपेट में आने लगे हैं। दिन में धूप होने से गर्मी और सुबह-शाम मौसम के मिजाज में नरमी का रुख होना लोगों की परेशानी का कारण बना हुआ है। बच्चों में इन दिनों सर्दी-खांसी के साथ बुखार तेजी से फेल रहा है। यह वायरल एक-दूसरे के संपर्क में आने की वजह से हो रहा है। परिवार में एक सदस्य को होने पर पूरे परिवार के सदस्य भी वायरल की चपेट आ रहे हैं। इन दिनों वायरल के लक्षण सर्दी, खांसी और बुखार है। साथ ही बच्चों को उल्टी-दस्त भी हो रहे हैं। एक-दूसरे संपर्क में आने से जल्दी इंफेक्शन का खतरा बढ़ रहा है। कई परिवार के पूरे सदस्यों को इंफेक्शन हुआ है। बीमारी से बचने के लिए सतर्क रहने की जरूरत है। मौसम में आ रहे बदलाव की वजह से बाहर का खाना ना खाएं। कोशिश करें कि बीमार मरीज से दूरी बनाकर रखें।

उल्टी -दस्त से प्रभावित मरीजों क़ो ड्रिप लगाना, अस्पताल मे ही पानी उबालकर मरीजों क़ो पिलाया जा रहा है। ओआरएस घोल स्वास्थ्य अमले के द्वारा घर -घर वितरण करवाए जा रहे है व मरीजों क़ो भी अस्पताल मे ओआरएस घोल दिया जा रहा है। क्योंकि बरसात के कारण हो रहे बदलाव से बीमारियां तेजी से पनप रही है जिससे बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक पीड़ित हैं।

डॉक्टर शिवम दुबे के द्वारा लोगों क़ो जागरूक भी किया जा रहा है कि घर मे पानी उबालकर पीयें!रात के समय पानी ढककर रखें!साफ - सफाई, हाथ धुलकर खाने का सेवन करें। उल्टी -दस्त होने पर तुरंत अस्पताल आकर स्वास्थ्य उपचार करवाए। ख़ासकर बच्चें जब उल्टी -दस्त से पीड़ति हो तो तुरंत चिकित्सकीय लाभ ले क्योंकि बच्चों की मृत्यु उल्टी -दस्त से ही होती है। बारिश मे भीगने ओर तेज धूप के सीधे संपर्क मे आने से बचे!मच्छरों से बचाव के लिए उचित उपाय करें।

हाई कोर्ट तक पहुंचा ननि परिषद की बैठक का मामला

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगर निगम के वरिष्ठ पार्षद मिथलेश जैन एडवोकेट द्वारा म.प्र. हाई कोर्ट में भारत के संविधान के अनुच्छेद 226 के अंतर्गत एक रिट पिटीशन पेश करके उच्च न्यायालय को यह अवगत कराया गया है कि नगर निगम अधिनियम 1956 की धारा 27 के आदेशात्मक प्रावधान के अंतर्गत निगम परिषद की बैठक प्रत्येक 02 माह में एक बार बुलाई जाना चाहिए तथा म.प्र. नगर पालिका (परिषद की कार्यवाही, संचालन) नियम 2005 के नियम-3 के प्रावधान के अनुसार कार्य सूची तैयार की जाती है ।

नहीं बुलाई गई बैठक

उन्होंने अपनी पिटीशन में यह भी बताया है कि माह जुलाई 2022 में निगम परिषद का गठन होने के बाद प्रत्येक दो माह में निगम परिषद की बैठकें नहीं बुलाई गईं । कभी-कभी तो 6-6 माह तक बैठकें नहीं हुई और इसके कारण नगर विकास से संबंधित और नीतिगत संबंधी अनेकों महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा नहीं हो सकी और इससे शहर का विकास अवरुद्ध हुआ है ।

जारी किया गया नोटिस

मिथलेश जैन ने याचिका में उपरोक्त संबंध में आदेश पारित करने और दोषी व्यक्तियों पर कार्यवाही किये जाने की भी प्रार्थना की है। हाईकोर्ट के विद्वान न्यायाधीश द्वारा याचिका को गृहण कर याचिका क्रमांक- 20296/2025 में दर्ज करते हुए नगर निगम कटनी की उपस्थिति हेतु हमदस्त नोटिस भी जारी किया गया जो कि नगर निगम कटनी को 01-07-2025 को प्राप्त भी हो गया है ।

खबर संक्षेप

पवई के पिपरिया दौन में दलित महिला सरपंच ने पंचायत सचिव की कार्य प्रणाली से तंग आकर सौंपा सीईओ जनपद अध्यक्ष को ज्ञापन

पन्ना। जनपद पंचायत पवई की ग्राम पंचायत पिपरिया दौन की दलित महिला सरपंच ममता बाई चौधरी पति मनोज कुमार चौधरी सहित सैकड़ो ग्रामीण सोमवार को जनपद कार्यालय पवई पहुंचे,जहां उन्होंने मुख्य कार्यपालन अधिकारी अखिलेश उपाध्याय एवं जनपद पंचायत अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा। जिस ज्ञापन में लेख किया है कि सचिव चंद्रभान सिंह राजपूत के द्वारा महिला सरपंच को अपशब्द कहे जाते हैं तथा उसे पंचायत का कार्य करने नहीं दिया जाता,इसके साथ ही सरपंच महिला से यह कहा जाता है कि जिले में पैसे देकर आया है,पंचायत वह चलाएगा, इसके अलावा गल्ला पर्ची बनवाने,पीएम आवास के लिए भी सचिव के द्वारा पांच-पांच हजार रुपए की रिश्वत मांगी जाती है। तथा मानसिक रूप से प्रताड़ित करता है। इस दौरान जनपद अध्यक्ष भी दलित महिला के साथ नजर आई और उन्होंने सचिव के खिलाफ सात दिवस के अंदर कार्यवाही न होने पर जिले में धरने की बात कही साथ उन्होंने सचिव के खिलाफ राज्य महिला आयोग एवं अनुसूचित जाति आयोग को भी पत्र लिखे जाने की बात कही और जिला कलेक्टर से सचिव के खिलाफ कठोर कार्रवाई के साथ उसके नियुक्ति को विधि विरुद्ध बताते हुए अन्यत्र स्थानांतरण की मांग की है।

मानसून के बीच खकरिया बीट में दिखाई देने लगे झुंड प्रकृति के लिए सुखद संकेत

मानसून आते ही फिर नजर आने लगे प्रकृति के सफाई कर्मी गिद्ध पक्षी, तेन्दूखेड़ा के जंगलों में बना रहे बसेरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तेंदूखेडा

पिछले कई वर्षों से विलुप्त होते जा रहे गिद्धों को लेकर एक सराकात्मक खबर सामने आई है और जिले के जंगली क्षेत्रों में कुछ जगह गिद्ध के झुंड नजर आने लगे हैं। ऐसे हालातों में अब वन्य जीव विशेषज्ञ इसे प्रकृति के साथ विलुप्त प्रजाति के लिए सुखद मांग रहे हैं रविवार और सोमवार को ऐसा नजारा तेन्दूखेड़ा वन परिक्षेत्र की खकरिया बीट के जंगल में देखने को मिला, जहाँ गिद्धों का एक झुंड हरे-भरे जंगल में एक मृत पड़े मवेशी को खा रहे थे।

गिद्धः क्षेत्र में दिखने हो गए थे बंद पिछले कुछ वर्षों में क्षेत्र में गिद्ध नजर आने बंद हो चुके थे और हालात यह थे कि विलुप्त होती प्रजाति में जा रहे गिद्धों की तलाश और संरक्षण में जुटने लगे थे और वन्य क्षेत्रों में भी इनकी तलाश की जाती थी। लंबे समय के बाद धीरे-धीरे यह नजर आने शुरु हुए और इन दिनों यह झुंड में भी नजर आने लगे है और अब यह पहले की तरह प्रकृति को शुद्ध करते भी नजर आने लगे है। दरअसल गिद्ध की प्रमुख विशेषता उसकी पर्यावरण को स्वच्छ रखने की कुदरती कला है। गिद्ध एक ऐसा पक्षी है जो जंगलों में मृत जानवरों के अवशेषों और सड़े गले मांस को जल्दी से खा जाता है। जिस कारण अवशेषों की दुर्गन्ध जंगल में नहीं फैलने पाती और इस प्रकार पूरा वातावरण एवं इकोसिस्टम स्वच्छ बना रहता है।

नई उम्र के हैं पक्षी

तेन्दूखेड़ा वन परिक्षेत्र की खकरिया बीट में गिद्ध देखे गए हैं। खकरिया गांव जाते समय सड़क किनारे जंगल में एक मृतक मवेशी के पास दर्जनों की संख्या में देखे गए हैं। और ये सभी नई उम्र के लग रहे थे। ये इनकी प्रजाति के लिए अच्छी खबर है कि इनकी प्रजातियों को तेन्दूखेड़ा का जंगल वातावरण रास आ रहा है और यहां वे अपनी प्रजाति को बढ़ा रहे हैं मुख्य मार्ग के किनारे एक मृत गाय को भोजन के तौर पर खा रहे थे। इनको राहगीर एक बार रुक कर देख जरूर रहे थे और अपने मोबाइल फोन के कैमरे में कैद जरूर कर रहे थे।

कई बदलाव होने के बाद मिले हैं ये परिणाम

गिद्धों की बढ़ती संख्या के पीछे शुरु किए गए प्रयास हैं जहां एक ओर संरक्षण शुरु किया गया तो दूसरी ओर ग्रामीण अंचल के किसानों में जैविक खेती की ओर बढ़ता रुझान और घातक कीटनाशकों के उपयोग में कमी है। दरअसल दो दशक पहले तक बुंदेलखंड अंचल में गिद्धों की कई प्रजातियों का बसेरा था लेकिन पैदावार बढ़ाने के लिए जैविक खाद, कीटनाशकों का बेतहाशा उपयोग इनका दुश्मन बन गया। इसके अलावा बस्तियों के आसपास ऊंचे वृक्ष भी काट दिए गए। इस वजह से घोंसले बनाने के ठिकाने भी घट गए और इन सभी वजहों ने गिद्धों की प्रजातियों को खतरे में डाल दिया। पिछले सात वर्षों से गिद्धों की संकटग्रस्त प्रजातियों को बचाने का कार्य शुरु किया जिसके नतीजे सकारात्मक हैं जो अब उम्मीद जगा रहे हैं ।

सहयोग करने की अपील

तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र अधिकारी मेघा पटेल ने कहा कि गिद्ध पर्यावरण के सफाई कर्मी एवं मानव जीवन में उनकी भूमिका अहम है। उन्होंने गिद्धों के प्राकृतिक आवासों के संरक्षण एवं संवर्धन और उन्हें बचाने में सहयोग करने की आमजन से अपील की है।

500 से अधिक किसानों को बीज मिनी किट का किया वितरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दमोह

विधायक हटा उमादेवी लालचंद खटीक ने पटेरा में उड़द का बीज 500 से अधिक किसानों को निःशुल्क वितरित किया। उन्होंने कहा किसान भाई ये आपको उच्च गुणवत्ता का बीज दिया जा रहा हैं। इसका उपयोग कर आप खेती करें और बीज बना कर दूसरे किसानों को भी दे। इस दौरान बीज उपचार, डीएपी, नैनो डीएपी, नैनो यूरिया, प्राकृतिक खेती एवं नरवाई प्रबन्धन के बारे में किसानों को जानकारी दी गई, इस अवसर पर बद्री पटैल, सुशील शर्मा, अनुविभागीय कृषि अधिकारी जे. एल. प्रजापति, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी डी. के साहू, विकासखंड तकनीकी प्रबंधक आत्मा शैलेंद्र पौराणिक, समस्त कृषि विस्तार अधिकारी पटेरा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, किसान बंधु मौजूद रहे।

सामुदायिक बैठक का आयोजन

बनवार। ग्राम परस्वाहा में महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग और अंतरा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में पीएलए बैठकों के अंतर्गत सामुदायिक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में स्वास्थ्य और पोषण जैसे अहम विषयों पर चर्चा की गई और गांव के लोगों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अवसर पर ग्राम की महिलाओं और किशोरियों ने मंच पर बेहतर प्रस्तुतीकरण दिया और स्वास्थ्य और पोषण से संबंधित अनुभवों को आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत किया। यह दर्शाता है कि गांव की महिलाएं अब बेहतर स्वास्थ्य और पोषण की दिशा में नेतृत्व कर रही हैं।बैठक में गांव ने मिलकर यह संकल्प लिया कि हर गर्भवती महिला और बच्चे तक सही जानकारी और सेवाएं पहुंचाई जाएंगी और ग्रामवासी विशेष रूप से उन महिलाओं और बच्चों का ध्यान रखेंगे जो उच्च जोखिम अवस्था में हैं। कार्यक्रम में सरपंच किशोर सिंह लोधी, , उप सरपंच श्रीमती प्रीति पाठक, सीएचओ चेला राम, शिक्षक दान सिंह लोधी, एएनएम श्रीमती साधना ठाकुर और सक्रिय सदस्य आनंद जैन और प्रदीप जैन उपस्थित थे।

छात्रावास के बच्चों को शिक्षण सामग्री का किया वितरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दमोह

5 जुलाई 25 को श्री मधुकर आदिवासी छात्रावास (जिला पंचायत के पास दमोह) में लायंस क्लब दमोह द्वारा छात्रावास के बच्चों के लिए शिक्षण सामग्री, पूरे सत्र के लिए रजिस्टर, कापियाँ, कवर, पेन, पेंसिल एवं शालेय वार्षिक फीस का वितरण किया गया। इस सेवा कार्य का उद्देश्य जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग प्रदान करना था। कार्यक्रम में लायंस क्लब दमोह अध्यक्ष ला.सौरभ अग्रवाल, चिव डॉ मनीष संगतानी, कोषाध्यक्ष डॉ हरिओम दुबे समस्त लायन साथियों के साथ उपस्थित रहे। क्लब सदस्यों में बृजेंद्र राठौर एवं जुगल अग्रवाल द्वारा दो बच्चों को "गोद" लिया गया। जिसके अंतर्गत उनकी शिक्षा शुल्क एवं आवश्यकताओं की जिम्मेदारी को भविष्य में उठाने का संकल्प लिया गया। लायन साथियों ने छात्रावास में भविष्य में पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन भी प्रदान किया। यह कार्यक्रम समाज के वंचित वर्ग के उत्थान की दिशा में लायंस क्लब दमोह का एक प्रेरणादायक कदम सिद्ध हुआ। लायंस क्लब दमोह दमयंती के अध्यक्ष दीपक अग्रवाल, राजेन्द्र सिंह बग्गा, मदन अरोरा, अधीर पांडे की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम प्रभारी ला. निशांत चौरसिया ने छात्रों को प्रेरणादायक बातें बताई छात्रावास सचिव राजीव बिल्थरे एवं अधीक्षक धर्मेंद्र जी ने लायन्स क्लब को आभार प्रगट किया।

अति प्राचीन मंदिर में चलाया स्वच्छता अभियान

बनवार। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा सेवा सप्ताह के अंतर्गत 1 से 7 तारीख तक चलने वाले कार्यक्रम में जिला दमोह के प्रखंड हिंडोरिया में अति प्राचीन मंदिर देव श्री जागेश्वर नाथ धाम बांदकपुर में सेवा कार्य किया गया। इस कार्यक्रम में प्रांत सेवा प्रमुख अनुराग मिश्रा, जिला संयोजक गोलू चौबे, प्रखंड अध्यक्ष जगदीश ठाकुर, प्रखंड संयोजक महेंद्र तिवारी और अन्य कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। मंदिर में स्वच्छता अभियान चलाया गया, जिसमें कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण रक्षा के लिए भी चर्चा की गई और सभी कार्यकर्ताओं को इसके लिए प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कई कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से भाग लिया, जिसमें हेमंत साहू, अंशू दुबे, अरविंद सींग, अरविंद पाठक, तुलसीराम तिवारी, शंकर गौतम, पियूष तिवारी, भरत पटेल, मदन विश्वकर्मा, अभिषेक सींग, सुरेंद्र दुबे आदि प्रमुख थे। जिला संयोजक गोलू चौबे ने बताया कि हमें इसी प्रकार हमेशा अपने आसपास और क्षेत्र में मठ-मंदिरों में स्वच्छता के कार्यक्रम करते रहना चाहिए। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को स्वच्छता और पर्यावरण रक्षा के लिए प्रेरित किया और आगे भी ऐसे कार्यक्रमों को जारी रखने पर जोर दिया।

हिमानी के घर जाकर एसडीएम ने गिफ्ट और शुभकामनाएं दीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तेंदूखेडा

नगर के वार्ड 8 में रहने वाली हिमानी खटीक पुत्री त्रिलोक खटीक ने कला संकाय से कक्षा 12 में 83.6% अंक प्राप्त किय हैं। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान का कार्यक्रम आयोजित किया गया था जिसमें हिमानी खटीक को नहीं बुलाया गया था जिससे हिमानी काफी हताश हो गईं थी। हिमानी की निराशा को देखकर उनके पिता त्रिलोक खटीक ने हिमानी को तहसील ले जाकर एस डी एम सौरभ गंदर्भ से लिखित शिकायत की थी कि मेरी बच्ची हिमानी ने 83.6% अंक प्राप्त किए हैं जिसे न तो विद्यालय से बुलाया गया न ही किसी प्रकार का सम्मान दिया गया न ही प्रमाण पत्र दिया है। इसलिए आज एस डी एम को आवेदन दिया है और न्याय की गुहार लगाई है जिस पर एस डी एम सौरभ गंदर्भ ने तुरंत एक्शन लिया और विकाश खंड शिक्षा अधिकारी से फोन पर बात करके हिमानी को प्रमाण पत्र देने की बात कही। एस डी एम खुद हिमानी के घर शुभकामनाएं देने पहुंचे साथ ही एस डी एम सौरभ गंदर्भ ने हिमानी को गिफ्ट भी दिए और हिमानी को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं भी दीं। साथ ही हिमानी को कक्षा 12 के बाद होने वाले कोर्स के बारे में जानकारियां दी। वहीं हिमानी ने भी एस डी एम से बताया कि मेरे परिवार के लोग मुझे पढ़ाई को लेकर बहुत सपोर्ट करते हैं। एस डी एम ने हिमानी सहित नगर के सभी विद्यार्थियों से बात कही है कि जो भी बच्चे 12 क्लास पास कर चुके हैं और जिनको भी अपने भविष्य को लेकर पढ़ाई को लेकर मुझसे कोई भी जानकारी लेनी हो या कुछ समझना हो तो वह विद्यार्थी मेरे पास किसी भी वक्त आ सकते हैं ,में हमेशा उनकी मदद के लिए तैयार हूं । एस डी एम हिमानी के घर पहुंचे जिससे हिमानी नी निराशा खुशी में बदल गई हिमानी के परिवार ने एस डी एम सौरभ गंदर्भ का धन्यवाद ज्ञापित भी किया।

पवई तहसील के समस्त कोटवारों ने मुख्यमंत्री के नाम नायब तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

पन्ना। पवई तहसील के समस्त कोटवारों ने प्रदेश कोटवार संघ के आवाहन पर अपनी ग्यारह सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नायब तहसीलदार शिवम् गौतम को ज्ञापन सौंपा। सोमवार को सभी कोटवार इकट्ठा होकर तहसील कार्यालय पहुंचे और शासन प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए ज्ञापन दिया। जिस ज्ञापन में लेख किया गया है की शासन द्वारा जो वर्दी मुहैया कराई जा रही है,वह घटिया किस्म की है, उन्हें वर्दी न देकर राशि को उनके खाते मंक भेजा जाए,साथ ही हर वर्ष 500 रूपये वेतन वृद्धि की जाए एवं कोटवारों के रिटायर होने पर जो एक लाख की राशि की घोषणा की गई थी उसको पूरा किया जाए,इसी तरह अन्य मांगों का लेख ज्ञापन में किया गया है।

झरनों एवं वॉटरफॉल के पास वर्षाकाल में जाना पूर्णतः प्रतिबंधित

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तेन्दूखेड़ा ने किए आदेश जारी

तेंदूखेड़ा। सोमवार को तेन्दूखेड़ा एस.डी.एम सौरभ गंधर्व ने जनहित को दृष्टिगत रखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के अंतर्गत संपूर्ण अनुविभाग तेंदूखेड़ा के अंतर्गत आने वाले झरने व अन्य वॉटरफॉल एवं ऐसे दुर्घटना संभावित क्षेत्र से 50 मीटर के भीतर प्रवेश करना एवं पिकनिक मनाना, झरने व अन्य वॉटरफॉल एवं ऐसे दुर्घटना संभावित क्षेत्र से 50 मीटर के भीतर वीडियो फोटोग्राफी, झरने व अन्य वॉटरफॉल एवं ऐसे दुर्घटना संभावित के भीतर स्नान करना, झरने व अन्य वॉटर बॉडी एवं ऐसे दुर्घटना संभावित क्षेत्र से 50 मीटर के भीतर वाहन पार्किंग एवं वाहन उपयोग, झरने व अन्य वॉटर बॉडी एवं ऐसे दुर्घटना संभावित क्षेत्र से 50 मीटर के भीतर दुकान लगाना, रेहड़ी लगाना एवं खाद्य पदार्थों की ब्रिकी करना पूर्णत प्रतिबंधित रहेगा। जारी आदेश में कहा गया उक्त आदेश का उल्लघंन करने पर भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत कार्यवाही की जाएगी। यह आदेश जन सामान्य के जान माल की सुरक्षा तथा भविष्य के खतरे की संभावना को ध्यान में रखते हुए जारी किया गया है। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के अंतर्गत एक पक्षीय रूप से पारित किया गया हैं तथा सार्वजनिक माध्यमों, इलेक्ट्रानिक मीडिया, समाचार पत्रों से आदेश सर्व साधारण को अवगत कराया जा रहा है।

दादी राधा रानी तिवारी का निधन, जबेरा नगर में शोक की लहर

बनवार। दादी राधा रानी तिवारी के निधन की खबर सुनकर जबेरा नगर में शोक की लहर दौड़ गई। वह 90 वर्ष की थीं और एक प्रतिष्ठित तिवारी परिवार से ताल्लुक रखती थीं। करीब एक पखवाड़े से अस्वस्थ चल रहीं दादी राधा रानी तिवारी ने अपने पीछे पुत्र महेश तिवारी, उमेश तिवारी, सुदामा तिवारी, देवीदीन तिवारी, बहुएं, नाती-पोतों से भरा पूरा परिवार छोड़ दिया है। पत्रकार अमित तिवारी की दादी के रूप में भी वह जानी जाती थीं। दादी राधा रानी तिवारी की अंतिम यात्रा जबेरा राधे कृष्ण मंदिर से जबेरा मुक्ति धाम तक निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। लोगों ने अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित की और शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं। लोगों ने ईश्वर से प्रार्थना की कि वे दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति दें।

भगवान श्रीकृष्ण के आह्वान पर अगस्त्य ऋषि एक घूंट में पी गए देवराज इंद्र द्वारा की गई बर्षा का पानी: पं. रवि शास्त्री महाराज

दमोह। स्थानीय अथाई रोड आमचौपरा स्थित रासबिहारी राधाकृष्ण मंदिर मे चल रही श्रीमद् भागवत कथा के पांचवे दिवस मे कथा वाचक आचार्य पंडित रवि शास्त्री महाराज ने कहा कि जब भगवान श्री कृष्ण ने गोवर्धन को धारण किया तो भगवान ने अगस्त्य ऋषि का आह्वान किया कि अगस्त्य ऋषि आओ और देवराज इंद्र के द्वारा जो यहाँ जल गिराया हुआ है उसको पी जाओ और अगस्त्य मुनि आये एक घूंट में सारा जल पी गए अगस्त्य मुनि एक ऐसे ऋषि हैं जिनके पास समुद्र को भी एक घूंट बनाकर के पीने की शक्ति है ऋषियों मे अत्यंत शक्तिशाली ऋषि अगस्त्य शिवजी के परम भक्त थे एक बार माता पार्वती जो अन्नपूर्णा भी कहलातीं हैं उन्होंने शिवजी से निवेदन किया महादेव मेरी इच्छा है कि मैं संसार के सभी साधू महात्माओं को भोजन करवाऊँ इसलिए आप सभी साधू संतों व ऋषि मुनियों को आमंत्रित कीजिए। इस पर शिवजी ने जो प्रतिष्ठित संत व ऋषि मुनि थे उनको स्वयं बुलाया कुछ को बुलाने गणों को भेजा इस प्रकार से संसार के सभी साधू-संतों व ऋषि मुनियों को आमंत्रित किया लाखों साधू संतों व ऋषि-मुनि एकत्रित हो गए माता पार्वती ने सैंकड़ों व्यंजन भरपूर मात्रा मे बनवाए जिनको खा-खा सभी साधू संत व ऋषि मुनि थक गए किन्तु व्यंजन ज्यों के त्यों ही पड़े रहे माता पार्वती ने शिवजी को ताना मारा प्रभु ये आप कैसे कैसे महात्मा लेकर आए जरा जरा सा खाते हैं वो देखो मेरा सारा अन्न बचा पड़ा है कोई ऐसे महात्मा लेकर आते जो ज्यादा मात्रा में खाएं शिवजी ने कहा देवी तुम अन्नपूर्णा हो तुम्हारा अन्न कोई तोड़ सकता है क्या शिवजी सीधे अपने परम भक्त अगस्त्य ऋषि के पास गए और निमंत्रण दिया कि हमारा आतिथ्य स्वीकार करें मेरी प्रिय भार्या ने ढेरों व्यंजन बनाए हैं आपको भरपेट खाना है अगस्त्य ऋषि ने अश्चर्य से कहा प्रभु ये आप कह रहे हो महादेव बोले हाँ ये मैं कह रहा हूँ आपको भरपेट खाना है तो ठीक है चलो माता पार्वती ने ओर भी ज्यादा व्यंजन बनाये महात्मा अगस्त्य समस्त व्यंजन खा गये माता पार्वती भी सोचने लगी ये कैसा ब्राह्मण ले आए सारे व्यंजन अकेले खा गए कैसा महात्मा है लेकिन माता पार्वती ने हार नहीं मानी फिर से रसोई लगवाई दोबारा बनवाया दोबारा खाली कर दिया तीसरी बार बनाया तीसरी बार भी खाली कर दिया पेट भरने में नहीं आ रहा अब माता पार्वती को अपनी भूल का एहसास हुआ और शिवजी से एकांत में जाकर क्षमा मांगी प्रभु मेरी लाज बचाओ अगर इस साधू का आज पेट नहीं भरा तो सारे संसार में मेरी जग हँसाई हो जाएगी कि वो कैसी अन्नपूर्णा जो एक साधू का पेट नहीं भर सकी शिवजी ने कहा बात मेरी सीमा से बाहर हो गई है अब तो लाज नारायण बचा सकते हैं देवी आप नारायण को यहीं स्मरण करो मैं उनके पास जाता हूँ। माता पार्वती तो कैलाश पर ही बैठकर स्मरण करने लगी और शिवजी चले गए नारायण के पास और बोले चलिए आपका न्योता है भगवान ने कहा अवश्य मैं सब जानता हूँ क्या हो रहा है इसलिए मुझे जाना ही पड़ेगा भगवान विष्णु ने एक साधु का भेष बना लिया अगस्त्य ऋषि के बराबर में आसान लगाया पत्तल लगाई और थोड़ा थोड़ा सा भोजन परोसा जिसको खाकर भगवान ने पेट पर हाथ फेर और बोले तृप्तोस्मि तृप्तोस्मि तृप्तोस्मि मैं तृप्त हो गया मैं तृप्त हो गया मैं तृप्त हो गया और जब स्वम् जगन्नाथ तृप्त होते है तो जगत तो अपने आप तृप्त हो जाता है अगस्त्य ऋषि देख रहे है कि मेरा पेट कैसे भर गया अगस्त्य ऋषि का पेट तो भरा सो भरा जगत के जितने भी चराचर प्राणी थे सबका पेट अचानक भर गया पूरा जगत तृप्त हो गया जगन्नाथ के तृप्त होते ही अब अगस्त्य ऋषि को एहसास हुआ के ये साधु कोई साधारण साधु नहीं है जिसने मेरा पेट भर दिया ये स्वयं जगन्नाथ है स्वयं नारायण है तब नारायण साधु के वेष मैं बोले अगस्त्य जी अब चलें प्रभु रुको तो अभी थोड़ा पानी पी लेने दो। भगवान ने अगस्त्य ऋषि का हाथ पकड़ लिया ओर बोले अभी पानी पीने का समय नहीं आया द्वापर के अंत में मैं गोवर्धन लीला करूंगा उस समय तुम्हें भर पेट पानी पिलाऊँगा चलो ये पार्वती जी का पीछा छोड़ो तब ऐसे भगवान विष्णु ने शिवजी और माता पार्वती की लाज बचाई। तो श्री कृष्ण परिपूर्ण भगवान हैं जितने भी पूर्ण स्वरूप हैं वो भगवान श्री कृष्ण में पहले से ही विराजमान हैं श्रीराम भी और श्री विष्णु भी श्री कृष्ण में ही हैं तो श्री विष्णु ने जब कृष्ण अवतार में गोवर्धन लीला रची और इन्द्र देव ने अभिमान वश पूरे ब्रज को वृष्टि करके पानी से भर दिया और श्रीकृष्ण ने देखा कि चारों तरफ जल भराव हो गया है तब श्री कृष्ण ने अगस्त्य ऋषि का आह्वान किया तब अगस्त्य जी आए और सारा जल जो ब्रजमंडल में भर गया था वो सारा जल पी गए। तो इस तरह भगवान विष्णु ने अपने वचन के अनुसार अगस्त्य मुनि को द्वापर युग में गोवर्धन लीला के समय जी भर के पानी पिलाया।

मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए साफ-सफाई का रखें विशेष ध्यान

दमोह। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश कुमार अठया ने बारिश के मौसम मे आमतौर पर साफ-सफाई की कमी के कारण उल्टी, दस्त, पेचिश, हैजा, पीलिया, टाइफाइड जैसी बीमारियों का फैलाव होने की आशंका अधिक होती है। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने एडवायजरी जारी करते हुए आमजनों से आग्रह किया है कि मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। साफ, शुद्ध पेयजल एवं ताजा बने भोजन का ही इस्तेमाल करें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा है कि नल, हेण्डपंप या सुरक्षित कुएँ से साफ पानी का उपयोग करें। यदि पीने का पानी सुरक्षित जल स्त्रोत नलकूप या गहरे हेण्डपंप से नहीं आ रहा है तो उसे उबालकर साफ सूती कपड़े से छानकर पीने से जलजनित बीमारियों से बचा जा सकता है। पीने का पानी लाने से लेकर उपयोग करने तक यदि शुद्ध बना रहे तो बीमारी से बचाव होता है। पानी साफ और ढँके बर्तन में रखें, पानी निकालने के लिए डंडीदार बर्तन का उपयोग करें। पानी के स्त्रोत के आस-पास विशेषकर कुएँ, हेण्डपंप, बोरवेल में साफ सफाई रखने और अतिरिक्त पानी को सोखता गड्ढा या नाली से सुरक्षित निकासी से पानी को दूषित होने से बचाया जा सकता है। बीमारी से बचाव के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता के साथ-साथ अपने परिवेश के आस-पास साफ-सफाई का हमेशा ध्यान रखें। खुलें में कचड़ा न डालें। हमेशा शौचालय का उपयोग करें। हमेशा ताजे बने भोजन और खाद्य पदार्थ का सेवन करें। ज्यादा देर का बना भोजन व बासी भोजन के सेवन से बचें। भोजन व खाद्य सामग्रियों हमेशा ढँक कर रखें ताकि उसे मक्खियों और धूल आदि से दूषित होने से बचाया जा सके। सब्जियों और फलों को अच्छी तरह से धोकर, साफ अथवा धुले हुए चाकू से काटें। बाजार में खुले हुए खाद्य पदार्थों का सेवन नहीं करें।

खबर संक्षेप

जनपद सदस्य गैसाबाद चुनाव हेतु तीन नामांकन पत्र हुए जमा

हटा। मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन भोपाल द्वारा पंचायत उप निर्वाचन वर्ष 2025 (पूर्वार्द्ध हेतु) हेतु घोषित कार्यक्रम के अनुसार जनपद पंचायत हटा के क्षेत्र क्रमांक 16 गैसाबाद के रिक्त पद हेतु नाम निर्देशन की प्रक्रिया के संबंध में रिटर्निंग अधिकारी राकेश सिंह मरकाम ने बताया कि नामांकन के छठवें दिन तीन अभ्यर्थियों द्वारा अपने नामांकन पत्र दाखिल किए जिसमें चन्द्रबती/शारदा प्रसाद, विरेन्द्र उपाध्याय/शारदा और संतोष/ धनीराम पटेल ने नाम निर्देशन फॉर्म जमा किए।

ओव्हर लोड वाहन पर एक लाख का जुर्माना लगाया

दमोह। ओव्हर लोड 12 वल्करों पर माननीय न्यायालय द्वारा 01 लाख का जुर्माना लगाया गया। पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी जिला दमोह के निर्देशन एवं सुजीत सिंह भदौरिया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला दमोह के मार्गदर्शन में दलवीर सिंह मार्को थाना प्रभारी यातायात द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले भारी वाहनों पर लगातार वाहन चैकिंग कर कार्यवाही की जा रही है। थाना प्रभारी यातायात द्वारा मारूताल बायपास चैराहा थाना यातायात स्टाफ के साथ माल वाहक भारी वाहनों की चैकिंग कार्यवाही की जा रही थी। चैकिंग के दौरान वाहन क्रमांक **MP** 54 **H** 1917 एवं **MP** 17 **HH** 9012 वल्कर वाहन में भार क्षमता से परिवहन करते हुये क्रमशः 17 टन एवं 13 टन ज्यादा पाया गया। उक्त दोनो वाहनो को थाना यातायात ला कर जब्ती पंचनामा तैयार कर सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया। जिनका प्रकरण निराकरण हेतु आज दिनांक 07-07-2025 को माननीय न्यायालय के समक्ष प्रकरण प्रस्तुत करने पर माननीय न्यायालय द्वारा क्रमशः 54,000/- रूपये एवं 46,000/- रूपये कुल 01 लाख रूपये का जुर्माना लगाया गया। यातायात पुलिस द्वारा दिनांक 07-07-2025 को वाहन चैकिंग के दौरान मारूताल बायपास पर यातायात नियमों का उल्लघन करने वाले 27 वाहन चालकों से 17,500/- रूपये प्रशमन शुल्क वसूल किया गया।

विसनाखेडी ग्राम के पास स्थित पुल के ऊपर से सड़क का बहा डामर

बारिश से नदियों का जलस्तर बढ़ा, पुलों के ऊपर पहुंचा पानी, दर्जनों गांव से आवाजाही हुई प्रभावित

घटिया निर्माण के लोगों ने लगाए, आरोप महाराजपुर देवरी मार्ग हुआ बंद, सारसबगली गांव बना टापू

हरिभूमि न्यूज ⏭ तेंदूखेडा

दो जुलाई से लगातार बारिश का दौर चल रहा है जिसके चलते जनजीवन प्रभावित हो रहा है रविवार को सुबह से लेकर शाम तक रिमझिम बारिश होती रही लेकिन रात 8 बजे के बाद सोमवार की दरमियानी रात से तेज बारिश का दौर शुरू हो गई जिसके चलते सड़कों पर पानी ही नजर आता रहा कई सड़क जलमग्न हो गई जानकारी के मुताबिक 30 जून से लगातार बारिश हो रही है लेकिन 2 जुलाई से बारिश ने अपनी तेज रफ्तार पकड़ ली है।

जगह-जगह तैनात की टीम

वहीं तेज और मूसलाधार बारिश के चलते नदी और नाले जलमग्न हो गए हैं पुलों के ऊपर पानी आ जाने से ब्लॉक के कुछ ग्रामीण क्षेत्रों की आवाजाही बंद हो गई तो वहीं कुछ क्षेत्रों में जलभराव की समस्या उत्पन्न हुई है। कुछ ग्रामीण क्षेत्रों में चारों और से नदी नाले होने व लगातार हो रही तेज बारिश से बाढ़ जैसे हालात को देखते हुए लोग सहमें हुए हैं। आगामी समय में भी इसी तरह बारिश की संभावनाओं को देखते हुए तेन्दूखेड़ा एसडीएम सौरभ गंधर्व ने लोगों से कहा कि सावधानियां बरतें पुल पुलियों और रपटों के ऊपर पानी होने पर पैदल या फिर अपने वाहन से उसे पार न करें सभी जगहों पर प्रशासन की टीम लगी है किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति होने पर इसकी जानकारी क्षेत्र के अधिकारियों को दे।

झलौन तारादेही मार्ग हुआ बंद सुबह खुला

देर-रात हुई तेज बारिश के चलते झलौन तारादेही मार्ग पूरी तरह रातभर बंद हो गया यहां पर विसनाखेडी धनेटा के बीच बने फड़गा पुल पर पानी आ जाने से मार्ग बंद हो गया इस और ससना धनेटा विसनाखेडी झलौन सर्रा तारादेही बमनौदा सहित दो दर्जन से अधिक ग्रामीण क्षेत्रों का जनसंपर्क टूट गया सुबह नौ बजे तक यह मार्ग पूरी तरह से बंद रहा।

घटिया निर्माण के चलते पुल का डामर उखड़ गया

वहीं तारादेही झलौन सर्रा पर स्थित भड़गा पुल के ऊपर रात में पानी आ जाने से पुल का डामर तेज बहाव में उखड़ गया डामर ने पुराने पुल की सीमेंट को छोड़ दिया है जानकारी के अनुसार छह माह पहले ही इस मार्ग का निर्माण कार्य कराया गया था लोगों का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा घटिया और कम डामर करणी के कारण सड़क से डामर उखड़ गया है और पुल छतिग्रस्त हो गया है इस पुल से एक दर्जन से अधिक बसें और अन्य वाहनों का निकलना होता है

सारसबगली गांव बना टापू

वहीं दूसरी ओर ब्लॉक की ग्राम पंचायत सारसबगली भी चारों ओर नदी नाले और जंगल होने के चलते पूरा गांव टापू बन गया यहां तक मुख्य मार्ग तक आने के के लिए पक्का मार्ग तो है लेकिन गांव के बाहर नदी पर बना पुल सुबह चार बजे डूब जाने से दोपहर 11 बजे तक आवाजाही पूरी तरह बंद हो गया सारसबंगली ग्राम के लोगों गांव में फंसे रहे खबर लिखे जाने तक पुल पर 2 फुट तक पानी नजर आता रहा

देवरी महाराजपुर सागर मार्ग पर रहा बंद

इसी तरह तारादेही से महाराजपुर देवरी सागर जाने वाला भी मार्ग सुबह 4 बजे से सुबह 9 बजे तक पूरी तरह बंद रहा क्योंकि इस मार्ग पर टाइगर रिजर्व मार्ग पर स्थित रपटा भी जंगल व बारिश के पानी में डूब गया जिसके कारण पूरी तरह बंद रहा

पुल के दोनों और फंसे रहे वाहन और राहगीर

वहीं रातभर की तेज बारिश से जहां नदी नाले उफान पर थे वहीं सभी पुलों के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं साथ राहगीर भी मार्गों पर फंसे रहे।

बारिश के मौसम में नदी, नाले, तालाब, झरनों के पास जाने से बचे, ऐसी जगहो पर जाना खतरनाक हो सकता हैः कलेक्टर

दमोह। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जिलेवासियों से कहा है वर्षा ऋतु में जब नदी नाले बहुत उफान पर होते है और झरने काफी जगह बहने लगते है तो ऐसी स्थिति में पर्यटन की दृष्टि से कई लोग वहाँ पर अनायास घूमने के लिए चले जाते है और ऐसी स्थिति में कई बार ऐसी घटनाएं जैसे कि किसी का पैर फिसल गया और गहरी घाटी में गिर गए या नदी, तालाब में डूब गए। ऐसी घटनाएं हो जाती है तो इस सिलसिले में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया, सभी एस. डी.एम को अधिकृत किया गया है, कि वह ऐसी जगहों को चिन्हित करें और वहाँ पर चेतावनी बोर्ड भी लगाए और लोगों को आदेशित करें कि ऐसी जगहों पर जाना खतरनाक हो सकता है, उन्होनें कहा है सभी से आग्रह यह है कि बारिश के दिनों में खास तौर से अगले 2-3 महीने सतर्क रहे, इस समय में किसी नहर, नाले, नदी, तालाब, झरने, वाटरफॉल जाना सुरक्षा और जानमाल की रक्षा की दृष्टि से उचित नहीं है। कलेक्टर श्री कोचर ने कहा जब नदी पर बने पुल या रपटे के ऊपर से पानी बहता है तो उसमें सभी लोग ध्यान रखें कि वाहन या स्वयं दोनों पार ना करें, पानी उतर जाने दें तभी पार करें, अभी जिले में इस तरह की स्थितियां उत्पन्न नहीं हुई है, लेकिन भविष्य में इंकार नहीं किया जा सकता है, इसीलिए दोनों प्रकार की सावधानी सभी को रखने की बहुत आवश्यकता है और यदि प्रतिबंधात्मक कार्रवाई का कोई उल्लंघन करता है तो फिर उसके खिलाफ़ कार्रवाई की जा सकती है।

15 अगस्त से एक बगिया माँ के नाम अंतर्गत शुरू होगा पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश की स्व-सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिये प्रदेश सरकार द्वारा महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत "एक बगिया मां के नाम" परियोजना शुरू की गई है। इसके अंतर्गत स्व-सहायता समूह की महिलाओं की निजी भूमि पर फलोद्यान की बगिया विकसित की जाएगी। प्रदेश में ऐसा पहली बार होगा जब अत्याधुनिक तरीके पौधरोपण का कार्य किया जाएगा। ऐप के माध्यम से हितग्राहियों का चयन किया जाएगा। परियोजना के क्रियान्वयन को लेकर मनरेगा परिषद ने तैयारी शुरू कर दी है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा इस संबंध में निर्देश भी जारी किए गए हैं। " एक बगिया मां के नाम" परियोजना का लाभ लेने वाली आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूह की महिला का चयन "एक बगिया मां के नाम" ऐप से किया जाएगा। मनरेगा परिषद द्वारा मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड के माध्यम से ऐप का निर्माण किया गया है। अन्य किसी माध्यम से हितग्राही का चयन नहीं किया जाएगा। चयनित महिला हितग्राही के नाम पर भूमि नहीं होने की दशा में उस महिला के पति, पिता, ससुर और पुत्र की भूमि पर सहमति के आधार पर पौधरोपण किया जाएगा।

मोहर्रम पर्व आपसी सद्भाव पूर्ण माहौल में संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिण्डोरिया

हजरत इमाम-हुसैन रजि. व शहीदाने कर्बला वालों की इबरतनाक कुर्बानी की याद में मनाया जाने वाला मोहर्रम पर्व नगर हिण्डोरिया में अमन, शांति एवं आपसी सद्भावपूर्ण माहौल में मनाया गया। सबसे पहले झंडा चौक पर सभी ताजिया, जहूरा, बुर्राक एवं अखाड़े के मुस्लिम युवा शाम 07 बजे एकत्रित हुए। यहां पर अखाड़े के मुस्लिम युवाओं द्वारा पारंपरिक खेल का शानदार प्रदर्शन किया गया। अखाड़ा प्रदर्शन के पश्चात इसां की नमाज के बाद मजलिस शरीफ का आयोजन किया गया। एवं तवारुक (प्रसाद) का वितरण किया गया। तदुपरांत सभी ताजिया, बुर्राक, जहूरा अखाड़ा जुलूस के साथ शहर गश्त करते हुए जमादार तालाब पहुंचे। जहां पर विधि विधान से सभी ताजिया, जहूरों का विसर्जन किया गया। मोहर्रम इंतजामियां कमेटी के युवा सदर इकबाल खान चौहान ने पर्व में सहयोग करने वाले नगर परिषद, पुलिस विभाग ,बिजली विभाग एवं सभी अतिथियों एवं मुस्लिम भाइयों का आभार प्रदर्शन किया है।

इस मौके पर नगर परिषद अध्यक्ष ठा.हेमेंद्र सिंह, सुधांशु चौबे, एडीशनल एसपी सुजीत सिंह भदोरया, एसडीएम आर एन बागरी, एसडीओपी रघु केसरी, थाना प्रभारी धर्मेन्द्र गुर्जर, जगदीश ठाकुर (बडेपुरा वाले) राजेंद्र सिंह, पप्पू ठाकुर, झब्बू ठाकुर, जितेंद्र ठाकुर सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

मां के जन्मदिन पर किया पौधारोपण

दमोह। डॉ. राकेश राय एवं उनके परिवार जनों ने 7 जुलाई को अपनी मां के जन्मदिन के अवसर पर सात बड़े आकार के कदंब के पेड़ पॉलिटेक्निक कॉलेज की बाउंड्री के किनारे रोपित करके मां के जन्मदिन को याद किया। वृक्ष रोपित करने के उपरांत उनकी सुरक्षा का भी संकल्प लिया। हाल ही में 11 जून को मां का देहावसान हुआ था। वृक्षारोपण कार्यक्रम में उनकी पत्नी डॉ. सुधा राय आशा राय, निशा चौकसे, प्रीतम चौकसे, मोहन राय व अजय राय ने भी भाग लिया।

दूरदराज या जलभराव क्षेत्रों में निवासरत गर्भवती महिलाओं को बर्थ वेटिंग हॉल में भर्ती कराकर रहें बेफ्रिक

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

मानसून के दौरान जलभराव एवं कठिन पहुँच वाले क्षेत्रों जहाँ बारिश के कारण आवागमन बाधित होता है, ऐसे क्षेत्रों में रहने वाली गर्भवती महिलाओं के सुरक्षित प्रसव के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा बर्थ वेटिंग हॉल के रूप में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। इस संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश कुमार अठया ने बताया कि बर्थ वेटिंग हॉल का उद्देश्य उन गर्भवती महिलाओं को समय पर चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराना है, जो जोखिमपूर्ण गर्भवती के रूप में चिन्हित हैं अथवा दूरदराज या जलभराव क्षेत्रों में निवास करती हैं, जिससे आवश्यकता पड़ने पर तुरंत संस्थागत प्रसव सुनिश्चित किया जा सके। डॉ. आर.के. अठया ने ऐसे क्षेत्रों में रहने वाली गर्भवती महिलाएँ या उनके परिजनों सहित सभी आमजन नागरिकों से अनुरोध करते हुए कहा है कि, ऐसे क्षेत्रों में रहने वाली गर्भवती महिलाओं का सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने के लिए माह जुलाई दौरान प्रसव की संभावित तिथी से एक सप्ताह पूर्व अपने नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में बर्थ वेटिंग हॉल में गर्भवती महिला को भर्ती कराकर गर्भवती महिला और गर्भ में पल रहे शिशु की जीवन रक्षा के लिए सहभागी बनें। उन्होने बताया यह सुविधा हर गर्भवती महिला के सुरक्षित प्रसव के लिए पूरी तरह निःशुल्क है और केवल गर्भवती एवं उसके नवजात की जीवन सुरक्षा के लिए उपलब्ध कराई जा रही है। यहाँ गर्भवती महिलाओं की गर्भावस्था दौरान समस्त आवश्यक देखभाल की जाती है। प्रसव पीड़ा होने पर चिकित्सक द्वारा सुरक्षित प्रसव कराया जाता है। इस हेतु सभी गर्भवती महिलाओं या उनके परिजन अपने आशा कार्यकर्ता, एएनएम या स्वास्थ्य अमले से संपर्क कर आवश्यक जानकारी एवं सहायता प्राप्त कर सकते है।

नवनीत ठाकुर के सीआईएसएफ में चयनित होने पर जुलूस निकाल कर किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ जबेरा

जनपद पंचायत जबेरा के अंतर्गत आने वाले एक छोटे से आदिवासी बाहुल्य ग्राम झलौ निवासी शिक्षक सुखसींग ठाकुर के पुत्र नवनीत ठाकुर ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन की दम पर देश के अर्ध सैनिक बल सीआई एस एफ में चयनित होकर अपने ग्राम का ही नहीं बल्कि संपूर्ण जबेरा क्षेत्र का नाम रोशन किया है। नवनीत ठाकुर के जॉइनिंग पश्चात सोमवार को प्रथम बार जबेरा आगमन पर अपने ग्राम सहित जबेरा वासियों ने झलौ ग्राम की इस होनहार प्रतिभा को बधाई और शुभकामनाएं दी।

इस दौरान सीआईएस एफ में चयनित नवनीत ठाकुर के जबेरा बस स्टैंड पहुंचने पर फूल मालाओं से उनका स्वागत करते हुए डीजे बाजे के साथ जुलूस निकाल कर भव्य अगवानी की गई। जो नगर का भ्रमण करते हुए नरसिंह देवालय पहुंचकर भगवान श्री नरसिंह जी का पूजन अर्चन कर श्रीराम चौराहा पर सम्मान सभा का आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम के गणमान्य नागरिकों एवं शिक्षकों द्वारा नवनीत ठाकुर का फूल मालाओं से सम्मान करते हुए बधाई और शुभकामनाएं दी। इस दौरान उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि छोटे से ग्राम की इस होनहार प्रतिभा ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन की दम पर जो सफलता अर्जित की है वह अपने ग्राम ही नहीं बल्कि संपूर्ण जबेरा क्षेत्र को हमेशा प्रेरणा देती रहेगी और हम सभी प्रतिभाशाली नवनीत ठाकुर को बधाई और शुभकामनाएं देते हैं।

इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि रूपेश सेन, सरपंच शिवलाल धुर्वे, रानू नामदेव, मध्यप्रदेश शिक्षक संघ जबेरा संरक्षक देवी प्रसाद शर्मा,अध्यक्ष महेश विश्वकर्मा, कोषाध्यक्ष सुशील जैन,देवेंद्र मिश्रा, शिक्षक राजेश जैन,मोहन सिंह, डी एन सोनकुसरे, महेश साहू, कमल सिंह, महेन्द्र मेहरा, डॉ.मनोज जैन,मुन्नालाल सोनी एवं उनके परिजनों सहित अनेक लोगों की उपस्थिति रही।

युवा रोजगार मेले के नाम पर कोई भी पैसा न दे, यह योजना सरकार की तरफ से बिल्कुल निः शुल्क हैः कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जिलेवासियों से कहा है रोजगार एक ऐसी चीज़ है जिसके नाम पर कई बार लोगों को ठगने की घटनाएं होती है, तो मेरे पास 4 से 5 लोगों की शिकायत आयी है कि युवा संगम रोज़गार मेले के नाम पर उनसे कहा गया कि आप इतने पैसे भरिए तो कुछ लोगों ने भ्रमित होकर पैसे भरे तो जब यह शिकायत हमारे पास आई तो हमारी टीम ने उनको बुलाया और कहा कि बिल्कुल कोई पैसा न भरे क्योंकि सरकार की तरफ से सब बिल्कुल निशुल्क होता है, कहीं पर आपको पैसा देने की कोई जरूरत नहीं है।

उन्होने कहा युवा संगम रोजगार मेला सरकार लगाती है, जिसका उद्देश्य युवाओं और निजी कंपनियों को आपस में मिलाने का होता हैं, ताकि युवाओ को अच्छे से अच्छे रोजगार के अवसर मिल सके तो कई बार इस तरह के अवसर पर कुछ लोग इसका फायदा उठाने की कोशिश करते हैं जो नकली है और वाकई में उस कंपनी को रिप्रेसेंट नहीं करते लेकिन उन्होंने युवाओं को कंपनी के नाम पर फ़ोन किया और फ़ोन करके पैसे ठगने की कोशिश की तो ऐसे लोगों के खिलाफ़ हम लोग शिकायत भी दर्ज करा रहे है। श्री कोचर ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि बिल्कुल भी किसी के झांसे में ना आए क्योंकि युवा संगम पूरी तरह से निशुल्क है, जिसमें किसी प्रकार का पैसा पंजीयन के लिए नहीं देना पड़ता, आगे प्रशिक्षण के लिए नहीं देना पड़ता, किसी प्रकार का कोई खर्च इस युवा संगम के अंदर नहीं देना पड़ता है, इसीलिए आगे आप सभी सावधान रहे, जिन लोगों के साथ ऐसी घटना हुई है, हमने उनको बुलाया है, बुलाकर एक-एक की शिकायत दर्ज करवा रहे हैं और इस मामले में संबंधित आरोपियों के खिलाफ एफ.आई.आर की कार्रवाई करेंगे।

जैन धर्म में गढ़ंत के साथ मनगढ़ंत के त्याग का भी उपदेश हैः पं आशीषजी शिक्षाचार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ दमोह

शहर के वसुंधरा नगर में चल रहे श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्वशांति महायज्ञ में प्रतिदिन भक्ति भाव से सिद्धो की आराधना हो रही है। डॉ पंडित आशीष जी के निर्देशन में बड़ी ही भक्ति भाव के साथ श्रद्धालु विधान का आनंद ले रहे है। आयोजन के पांचवे दिन मण्डल पर 128 विधान समर्पित किये गये। पं आशीष जी ने कहा कि आज का विधान कषाय शांति विधा है। जीव को 108 प्रकार से कर्म का बंध होता है। इनमें संमरंभ, समारंभ व आरंभ के कार्य को मन वचन और काय से होते है। इन्हे कृत कारित अनुमोदना करने से एवं चार कषाय क्रोध मान माया लोभ के वश होकर कुल 108 प्रकार जीव को बंध होता है। सिद्ध परेष्ठी अनंत गुणात्मक है जिन्होने इन बंध के कारणों का पूर्णतः त्याग कर परामात्म परम पद सिद्ध पद को प्राप्त किया। पंडित जी ने सभी से कहा कि आज सभी अपनी अपनी कषायों का विसर्जन करें। जैन धर्म में गढ़ंत के त्याग का उपदेश है, हम सभी मानते भी है लेकिन जैन दर्शन में मनगढ़त के भी त्याग करने की बात कही गई है। मनगढ़ंत से आशय हमारी कषाय जो हमारे मन के अंदर विष बेल की तरह फैली हुई है। मायाचारी, मिथ्यात्व हमारी मन की ही उपज है जिसे हमें समझते हुये इनसे बचना है। यह हिंसा रूप है। विधान में अर्घ्य समर्पित करने का बाद हवन के साथ ही समापन हुआ। शाम को महाआरती के पश्चात पंडित जी के प्रवचन हुये जिसमें उन्होने मनोवृत्ति और प्रवृत्ति पर धर्मोपदेश दिया। उन्होने कहा कि

व्यक्ति की जैसी मनोवृत्ति होती है वैसी ही उसकी प्रवृत्ति होती है। प्रवृत्ति को देखकर मनोवृत्ति का अनुमान लग जाता है। यहीं जैन धर्म में लेश्या है। छह लेश्या के माध्यम से हम मनोवृत्ति को समझ सकते है क्योंकि इसी के कारण जीव शुभ अशुभ कार्यो मं प्रवृत्त होता है।